ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 25-10-2022

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-10-25 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-10-26	2022-10-27	2022-10-28	2022-10-29	2022-10-30
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	30.0	30.0	29.0	29.0	29.0
न्यूनतम तापमान(से.)	13.0	13.0	13.0	13.0	13.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	65	70	65
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	40	40	40	40
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	7.0	6.0	6.0	5.0	5.0
पवन दिशा (डिग्री)	90	320	320	320	110
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

विगत सात दिनों (18 - 24 अक्टूबर, 2022) में 0.0 मिमी वर्षा हुई व आसमान साफ रहने के साथ कहीं-कहीं मध्यम बादल छाये रहें। अधिकतम तापमान 30.0 से 31.5 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान 16.4 से 18.5 डि0से0 के बीच रहा तथा वायु में सुबह 0712 बजे सापेक्षित आर्द्रता 75 से 91 प्रतिशत व दोपहर 1412 बजे सापेक्षित आर्द्रता 44 से 55 प्रतिशत एवं हवा 0.3 से 1.3 कि0मी0 प्रति घंटा की गति से मुख्यतः पूर्व-दक्षिण-पूर्व, पश्चिम-उत्तर-पश्चिम व पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम दिशा से चली| आगामी पांच दिनों में, मौसम साफ रहेगा। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 29.0-30.0 व 13.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 5.0-7.0 किमी/घंटे की गति से उत्तर-उत्तर-पश्चिम व पूर्व-दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने का अनुमान है। ईआरएफएस के अनुसार, 30 अक्टूबर से 5 नवम्बर के दौरान राज्य में वर्षा सामान्य से अधिक, अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य रहने का अनुमान हैं।

सामान्य सलाहकार:

आईएमडी मौसम पूर्वानुमान और आपके स्थान की कृषि मौसम संबंधी सलाह अब मेघदूत मोबाइल ऐप पर अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध है। कृपया निम्न लिंक से डाउनलोड करें: एंड्रॉयड: https://play.google.com/store/apps/details?id=com.aas.meghdoot आईओएस: https://apps.apple.com/in/app/meghdoot/id1474048155

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में, मौसम साफ रहेगा। गाय-भैंसों में "लंपी स्किन डिजीज" जो कि एक वायरल बीमारी है से बचाव हेतु पशुओं का टीकाकरण अवश्य कराएं।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	असिंचित अवस्था में गेहूँ की उन्नतशील किस्मे जैसे-सी 306, पी बी डब्लू 175, पी बी डब्लू 396, पी बी डब्लू 299, पी बी डब्लू 644 तथा डब्ल्यूएच 1080 की बुवाई अक्टूबर के द्वितीय पखवाड़े में करे। बुवाई हेतु प्रमाणित बीज का प्रयोग करे। बिना प्रमाणित बीज को बोने से पहले कार्बेन्डाजिम 2.5 ग्राम या टेबूकोनाजोल 2 डी एस 1.5 ग्राम को प्रति किग्रा बीज दर से प्रयोग करे।
चावल	जिन किसान भाईयों कि धान की फसल कट गई है उसकी मड़ाई करें। भण्डारण के लिए धान को काटकर अच्छी प्रकार सुखा लें ताकि उसमें नमी की मात्रा 12-14 प्रतिशत तक आ जाएं। धान की देर से पकने वाली किस्मों में दाना बनते समय आवश्यकतानुसार सिंचाई करे तथा रोग व कीट नियंत्रण हेतु संस्तुति अनुसार रसायनों का प्रयोग करें।
चना	अक्टूबर माह के दूसरे पखवाड़े में चने की बुवाई करें। चने की छोटे दाने वाली किस्मों- पंत जी-114, डी0सी0पी0 92-3, जी0एन0जी0-1581, मध्यम आकार दाने वाली किस्मों- पंत जी-186 , मोटे दाने वाली किस्म- पूसा-256 तथा काबुली चना की किस्म- पंत काबुली चना-1 में से एक का चुनाव करें।
मसूर की दाल	किसान भाई, इस माह मसूर की उन्नतशील किस्मों जैसे पंत एल-406, पंत एल-4,5,7,8,9 डी.पी.एल-15, 62 की बुवाई कर सकते है।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
लौकी	खीरा वर्गीय फसलों में लौकी, तोरई, खीरा, करेला आदि के फल तोड़कर बाजार भेजें।
बैंगन	यदि बैंगन का खेत बहुत ज्यादा नहीं है और तना बेधक कीट की समस्या है तो ग्रसित शाखा को ग्रसित भाग के एक इंच नीचे से तेज चाकू या ब्लेड से काटकर अलग कर दें। इसमें दवा डालने की आवश्यकता नहीं होती है और शाखाएं फिर से आ जाती है।
टमाटर	टमाटर के लिए खेत की तैयारी करें तथा खेत की 2-3 बार जुताई करके समतल कर दें। टमाटर की फसल हेतु 120 कि0ग्रा0 नत्रजन, 80 कि0ग्रा0 फास्फोरस, 80 कि0ग्रा0 पोटाश उर्वरक की संस्तुति है।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	लंपी स्किन डिजीज एक वायरल बीमारी होती है, जो गाय-भैंसों में होती है। लम्पी स्किन डिज़ीज़ में शरीर पर गांठें बनने लगती हैं, खासकर सिर, गर्दन, और जननांगों के आसपास। धीरे-धीरे ये गांठे बड़ी होने लगती हैं और घाव बन जाता है। एलएसडी वायरस मच्छरों और मक्खियों जैसे खून चूसने वाले कीड़ों से आसानी से फैलता है। साथ ही ये दूषित पानी, लार और चारे के माध्यम से भी फैलता है। लम्पी स्किन डिजीज पशुओं को तेज बुखार आ जाता है और दुधारु पशु दूध देना कम कर देते हैं, मादा पशुओं का गर्भपात हो जाता है, पशुओं की मौत भी हो जाती है। रोगी पशुओं को स्वस्थ पशुओं से अलग रखना चाहिए, अगर पशुशाला में या नजदीक में किसी पशु में संक्रमण की जानकारी मिलती है, तो स्वस्थ पशु को हमेशा उनसे अलग रखना चाहिए। रोग के लक्षण दिखाने वाले पशुओं को नहीं खरीदना चाहिए, मेला, मंडी और प्रदर्शनी में पशुओं को नहीं ले जाना चाहिए। पशुशाला में कीटों की संख्या पर काबू करने के उपाय करने चाहिए, मुख्यत: मच्छर, मक्खी, पिस्सू और चिंचडी का उचित प्रबंध करना चाहिए। रोगी पशुओं की जांच और इलाज में उपयोग हुए सामान को खुले में नहीं फेंकना चाहिए। अगर अपने पशुशाला पर या आसपास किसी असाधारण लक्षण वाले पशु को देखते हैं, तो तुरंत नजदीकी पशु अस्पताल में इसकी जानकारी देनी चाहिए। एक पशुशाला के श्रमिक को दुसरे पशुशाला में नहीं जाना चाहिए, इसके साथ ही पशुपालकों को भी अपने शरीर की साफ़–सफाई पर भी ध्यान देना चाहिए। अगर लम्पी स्किन डिजीज से संक्रमित पशु की मौत हो जाती है, तो उसकी बॉडी को सही तरीके से डिस्पोज करना चाहिए ताकि ये बीमारी और ज्यादा न फैले। इसलिए पशु की मौत के बाद उसे जमीन में दफना देना चाहिए। यदि कोई पशु लम्बे समय तक त्वचा रोग से ग्रस्त होने के बाद मर जाता है, तो उसे दूर ले जाकर गड्डे में दबा देना चाहिए। आईसीएआर-नेशनल रिसर्च सेंटर ऑन इक्वाइन (आईसीएआर-एनआरसीई), हिसार (हरियाणा) ने आईसीएआर-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई), इज्जतनगर, उत्तर प्रदेश के सहयोग से एक वैक्सीन "लंपी-प्रोवैकइंड" विकसित किया है। इसलिए पशुओं का टीकाकरण अवश्य कराएं। अगर सही समय पर पशुओं का खयाल रखा जाए और दूसरे पशुओं से दूर रखा जाए तो पशुओं को बचाया जा सकता है।